पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

अंदाज अपना-अपना के सीक्वल का काम शुरू

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 20 ■ मंगलवार, 25 मार्च 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में चला 400 अतिक्रमणों पर 'हथौड़ा'

■ मनपा और व्यापारी आमने-सामने

■ नागरिक भी कर रहे कार्रवाई का विरोध

उल्हासनगर. शहर की मुख्य सड़कों को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के आदेश पर नोडल अधिकारी गणेश शिम्पी, मनीष हिवारे और अलका पवार की टीम ने शहर में अनाधिकृत व्यवसाय सहित झुग्गी-झोपड़ियों में अतिक्रमण पर कार्रवाई की। इस बार करीब 400 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। शहर के केबी रोड, डॉल्फिन रोड, मुरबाड रोड, श्रीराम 17 सेक्शन और वीटीसी ग्राउंड क्षेत्रों में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान का व्यापक विरोध हुआ। इस दौरान व्यापारियों, मनपा अधिकारियों और कर्मचारियों के आमने-सामने होने की तस्वीरें सामने आईं। यहां तक कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग भी नाराज थे। इससे शहर में गुस्से का माहौल पैदा हो गया।

44 वाहनों पर जुर्माना

400 दुकानों के सामने से अनाधिकृत निर्माण और सामग्री हटा दी गई। यातायात पुलिस ने अतिक्रमण के कारण बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की और 44 वाहनों पर जुर्माना लगाया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविनाश भामरे ने बताया कि यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए यह अभियान जारी रहेगा।

इस बीच, महानगरपालिका की कार्रवाई से प्रभावित गरीब और छोटे व्यापारियों ने पुनर्वास की मांग की। नागरिकों को भी मनपा से यह अपेक्षा है कि वह योजनाबद्ध तरीके से और सामाजिक समझ के साथ काम करेगा। व्यापारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना के की गई कार्रवाई को अनुचित बताते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की, कहा कि न कोई रजिस्ट्रेशन है, न कोई नोटिस है और सीधे हटा दिया गया। इसलिए व्यापारियों ने बताया कि इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ा है।

विकास के साथ संवेदनशीलता भी जरूरी

■ उल्हासनगर जैसे शहर में अतिक्रमण हटाना समय की मांग है, लेकिन इस प्रक्रिया में गरीबों की आवाज, छोटे व्यापारियों की मुश्किलें, ट्रांसजेंडरों का दर्द और आम नागरिकों की भावनाओं को भी उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए। शहरी विकास की यात्रा में संवेदना ही सच्ची दिशा हो सकती है।

■ **ट्रांसजेंडर्स का भी विरोध :** कब्रिस्तान के पास एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति द्वारा बनाई गई झोपड़ी को हटाए जाने के बाद अनोखे तरीके से विरोध किया और रहने के लिए स्थायी आश्रय की मांग की।

जिले में महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं पड़ी ठप

ऐरोली-कलवा कॉरिडोर, कल्याण-बदलापुर तीसरी-चौथी लाइन, कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन अधर में

पिछले कुछ वर्षों में ठाणे जिले की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। इसका दबाव रेल परिवहन पर पड़ा है। जिले में ऐरोली-कलवा नया कॉरिडोर, कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन, कल्याण आसनगांव चौथी लाइन जैसी प्रमुख परियोजनाओं की घोषणा की गई। लेकिन भूमि अधिग्रहण और विभिन्न तकनीकी कारणों से परियोजना अभी भी रुकी हुई प्रतीत होती है। ऐरोली-कलवा एलिवेटेड रोड का काम केवल 45 प्रतिशत पूरा हुआ है। कल्याण-बदलापुर (तीसरी और चौथी लेन) परियोजना अभी मुश्किल से 25 प्रतिशत ही पूरी हुई है। कल्याण-आसनगांव परियोजना अभी प्रारंभिक चरण में है। राज्य की आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट से यह बात सामने आई है। इसलिए अब यात्रियों को यह चिंता सता रही है कि यह परियोजना पूरी होगी या नहीं।

उल्हासनगर. पिछले कुछ वर्षों से मुंबई महानगर क्षेत्र की जनसंख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मुंबई शहर और उपनगरों की तुलना में ठाणे जिले के ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, नवी मुंबई, बदलापुर और अंबरनाथ क्षेत्रों को रहने के लिए सबसे अधिक पसंद किया जा रहा है। चूंकि यहां कामगारों के लिए मुंबई शहर और उपनगरों तक यात्रा करने के लिए रेलवे लाइन के समानांतर कोई सड़क नहीं है, इसलिए यात्रियों का बोझ उपनगरीय ट्रेनों पर पड़ता है। जब भीड़भाड़ वाले समय में उपनगरीय रेलगाड़ियों का समय-सारिणी बिगड़ जाती है, तो प्रमुख रेलवे स्टेशन यात्रियों से खचाखच भर जाते हैं। बरसात के मौसम में यात्रियों को सचमुच परेशानी होती है।

यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के माध्यम से मध्य और पश्चिमी मार्गों पर मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) चरण III और IIIA में विभिन्न परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। इसमें ठाणे जिले में ऐरोली-कलवा एलिवेटेड रोड, कल्याण-बदलापुर तीसरी-चौथी रोड, कल्याण-आसनगांव चौथी रोड और पनवेल में पनवेल-कर्जत न्यू उपनगरीय कॉरिडोर परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं की घोषणा के बाद यात्रियों में खुशी देखी गई। यहां से यात्रा करने वालों को लगा कि कम से कम 2025 तक उनकी यात्रा अच्छी रहेगी। लेकिन भूमि अधिग्रहण और विभिन्न तकनीकी कारणों से ये परियोजनाएं अभी भी रुकी हुई हैं। कर्जत-पनवेल परियोजना को छोड़कर अन्य परियोजनाएं अभी 50 प्रतिशत भी पूरी नहीं हुई हैं। अब यात्रियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

ऐरोली-कलवा एलिवेटेड रोड

इस परियोजना को दिसंबर 2016 में एमयूटीपी III के तहत मंजूरी दी गई थी। वास्तविक कार्य 2018 में शुरू हुआ। यह परियोजना दो चरणों में चलाई जा रही है। इसका पहला चरण ठाणे और ऐरोली के बीच दीघा रेलवे स्टेशन का निर्माण करना था और दूसरा चरण ऐरोली-कलवा एलिवेटेड लाइन का निर्माण करना था। इसका पहला चरण पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में 2.65 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। इसमें से 0.57 हेक्टेयर भूमि निजी स्वामित्व में है और 2.08 हेक्टेयर भूमि सरकारी स्वामित्व में है। यहाँ बड़ी आबादी है. लेकिन निवासियों द्वारा यहां से हटने का विरोध करने के कारण यह परियोजना रुकी हुई है।

कल्याण-बदलापुर तीसरा-चौथा रूट

कल्याण और बदलापुर स्टेशनों के बीच 14.5 किलोमीटर के दो ट्रैक होंगे। इस पर लगभग 1,510 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। फिलहाल 25 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर और कर्जत महत्वपूर्ण और व्यस्त स्टेशन हैं। अगर तीसरी और चौथी लेन बन जाए तो यहां के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

कल्याण-आसनगांव चौथा रूट

इस परियोजना के मार्ग की लंबाई 32.22 किमी है। इस पर 1,759 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस परियोजना पर 133.61 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। यह परियोजना अभी केवल 4 प्रतिशत ही पूरी हुई है। इस परियोजना की समय सीमा दिसंबर 2025 है।

12 अवैध गालों पर मनपा ने की कार्रवाई

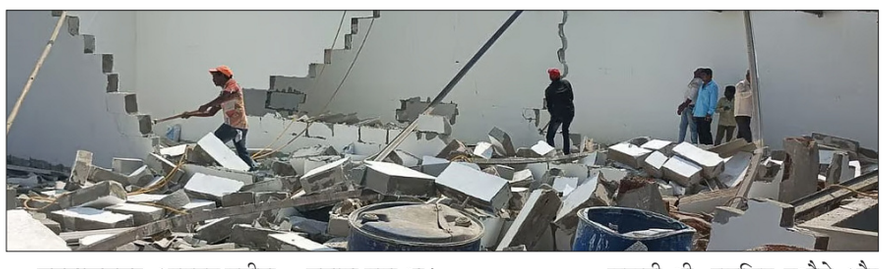

उल्हासनगर. आयुक्त मनीषा अव्हाले ने अब संबंधित विभाग को अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। इसी के तहत महानगरपालिका ने उल्हासनगर की एक गली में बनाए गए 12 अनाधिकृत टियर गर्डर ढांचों को हथौड़े से तोड़कर गिरा दिया है। यह अनाधिकृत टियर गर्डर ढांच कैंप क्रमांक 5 की एक गली में बनाया गया था।

यह जानकारी मिलने पर आयुक्त मनीषा आव्हाले के आदेश तथा अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस के मार्गदर्शन में अनाधिकृत निर्माण हटाने विभाग के नोडल अधिकारी गणेश शिम्पी, मुकदम महेंद्र परब, विश्वनाथ राठोड, गजानन बोंडीवले, विलास मुंडे की टीम गली में पहुंची। चूंकि जेसीबी मशीन वहां नहीं जा सकती थी, इसलिए हथौड़े और ब्लॉक की व्यवस्था करके गली के अंदर ही प्रहार करके इन निर्माणों को ध्वस्त किया गया।

नोडल अधिकारी गणेश शिम्पी ने बताया कि इन संरचनाओं को किसने खड़ा किया है, इसका पता लगाने के बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पारिवारिक झगड़ा मारपीट में बदला, 1 गंभीर रूप से घायल

■ शिवसेना कार्यालय के बाहर मारपीट

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 स्थित कृष्णा मैरिज हॉल परिसर में रहने वाले वैभव देवधर की शादी प्राची देवधर से हुई है। पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते प्राची अपनी मौसी के घर रह रही थी और ससुराल नहीं जा रही थी। इसलिए दंपत्ति अपने पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए उबाठा कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे के शिवसेना कार्यालय आए थे, लेकिन शाखा के बाहर ही दोनों में बहस हो गई।

इस विवाद के दौरान प्राची का भाई शुभम खरात कहीं से धारदार हथियार लेकर आया और वैभव देवधर के सिर पर वार करना शुरू कर दिया। जिससे वैभव के सिर पर गंभीर चोट आई और उसे बचाने गए शिवसेना सदस्य के हाथ में गंभीर चोट आई। वैभव गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्हें आगे के इलाज के लिए सायन अस्पताल भेज दिया गया है। इस संबंध में खरात परिवार के खिलाफ विट्ठलवाडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

अंबरनाथ मेरीकॉम कंपनी के 260 मजदूरों ने छेड़ा काम बंद आंदोलन

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ आनंद नगर एमआईडीसी की एक कंपनी मेरीकॉम केबल कंपनी के 260 मजदूरों ने काम बंद आंदोलन शुरू कर दिया है. मजदूरों का आरोप है कि कंपनी प्रशासन उन्हें न्यूनतम वेतन, ग्रेजुएटी, ईएसआई, भविष्य निधि नहीं देता है. 18 दिनों से मजदूरों ने काम बंद आंदोलन शुरू किया है. आंदोलन में महिला मजदूर भी शामिल हैं.

मजदूरों का आरोप है कि बाहर से लाए हुए नाका मजदूरों को ज्यादा वेतन दिया जाता है, लेकिन जो मजदूर 15 वर्षों से काम कर रहा है, उससे ओवर टाइम काम करा कर भी कम वेतन दिया जाता है.

कंपनी प्रशासन ने खुलासा नहीं दिया है. मजदूरों ने आरोप लगाया है कि जो मजदूर 15 वर्षों से काम कर रहे हैं, उन्हें परमानेंट नहीं किया गया है. कंपनी ने ठेकेदार रखा है, वह उन्हें कम वेतन देता है.

मजदूर कंपनी प्रशासन और ठेकेदार के विरुद्ध कंपनी के बाहर नारेबाजी करते देखे गए. कंपनी में दुर्घटना होने पर उनका उपचार नहीं किया जाता. वर्ष भर काम करने पर 15 दिन की छुट्टी भी नहीं दी जाती है. कंपनी प्रशासन ठेकेदार के साथ मिलकर मनमानी कर रहा है. मजदूरों का ये भी कहना है कि कंपनी प्रशासन मजदूरों के लिए बनाए गए नियमों के अनुसार कार्य करे, इसके लिए 260 मजदूरों ने काम बंद आंदोलन छेड़ा है.

शातिर चोर गिरफ्तार

■ उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

■ गुजरात से पकड़ा गया चोर

उल्हासनगर. उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने अंबरनाथ और उल्हासनगर पुलिस थानों की सीमा में एक दोपहिया वाहन और सोने की चेन चुराने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी नागपुर का निवासी है और उसे उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने गुजरात से गिरफ्तार किया था। धूम स्टाइल से अंबरनाथ के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक महिला के गले से सोने की चेन चुरा ली, तथा उल्हासनगर के विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक दोपहिया वाहन चुरा लिया। उल्हासनगर क्राइम ब्रांच द्वारा समानांतर जांच की जा रही थी। सीसीटीवी और तकनीकी जानकारी के आधार पर उल्हासनगर क्राइम ब्रांच के पुलिस कांस्टेबल मंगेश जाधव को विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली कि आरोपी गुजरात का रहने वाला है। इसके बाद, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक गोसावी, पुलिस कांस्टेबल गणेश गावड़े, योगेश वाघ और कांस्टेबल पिंट्या थोरवे, विक्रम जाधव और राम उगले की एक टीम ने आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार कर लिया।

उल्हासनगर में पानी की पाइपलाइन फूटी

■ लाखों लीटर पानी नाले में बहा

उल्हासनगर. शहर में एक ओर जहां पानी की किल्लत है, वहीं दूसरी ओर पानी की पाइपें फटने से लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि नेताजी गार्डन के पास पानी की मुख्य पाइप पिछले चार दिनों से फटी हुई है, जिससे लाखों लीटर पानी बिना मरम्मत के बह रहा है।

उल्हासनगर महानगरपालिका जलापूर्ति विभाग में अपर्याप्त कर्मचारियों के कारण विकास कार्यों के दौरान फूटने वाली पानी की पाइपों की मरम्मत नहीं हो पा रही है। नागरिकों का आरोप है कि इन पाइपलाइनों के जरिए लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है।

नेताजी गार्डन इलाके के कैंप नंबर 5 में पानी की पाइप फटने से पिछले चार दिनों से लाखों लीटर पानी नाले में बह रहा है।

सुभाष टेकड़ी की महिलाओं और नागरिकों ने एकजुट होकर मनपा के खिलाफ प्रदर्शन किया और मिट्टी के मटके फोड़े। संतोषनगर और तानाजीनगर क्षेत्रों में पानी की किल्लत के चलते स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम को ज्ञापन सौंपकर विरोध जताया।

शहरों में भूमिगत सीवर, सड़क निर्माण, जलापूर्ति योजनाएं और अन्य परियोजनाओं सहित विकास कार्य चल रहे हैं, तथा सड़कें खोदी जा रही हैं, जिसके कारण जल आपूर्ति लाइनों के फटने की घटनाएं अक्सर हो रही हैं। नगर निगम के पास स्टाफ कम होने के कारण फटी हुई पानी की पाइपों की कई दिनों तक मरम्मत नहीं हो पाती। फटी हुई पानी की पाइप लाइन से लाखों लीटर पानी बह रहा है, जिससे पूरे शहर में समस्या उत्पन्न हो गई है।

मनपा के जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक घुले ने बताया कि मनपा के जल आपूर्ति विभाग के पास पर्याप्त कर्मचारी नहीं होने के बावजूद विभिन्न माध्यमों से फटी हुई पानी की पाइपों की मरम्मत का काम किया जा रहा है।

जलापूर्ति बंद

जल शोधन संयंत्र की मरम्मत, शुक्रवार को जलापूर्ति बंद एमआईडीसी के शहाड गांव के म्हारल गांव में जल शुद्धिकरण केंद्र पर मरम्मत कार्य के कारण शुक्रवार को दिनभर जलापूर्ति बंद रहेगी। यह जानकारी महानगर पालिका ने दी।

नशेड़ियों ने शिकायत किए जाने पर बाइक जला दी

उल्हासनगर. उल्हासनगर के महात्मा फुले नगर में एक घटना घटी है, जहां एक घर के बाहर खड़े दोपहिया वाहन पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी गई। इस घटना में पास में खड़ी एक अन्य बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

संजय सोनवणे महात्मा फुले नगर, उल्हासनगर कैंप 4 में रहते हैं। रात करीब तीन बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी बाइक में आग लगा दी। सबसे पहले, सभी पड़ोसी घरों को बाहर से बंद कर दिया गया और बाइक को आग लगा दी गई। आग में बाइक पूरी तरह जल गई। आग लगने से पास में खड़ी एक अन्य बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस संबंध में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगजनी करने वाले आरोपियों की तलाश कर रही है।

पिछले महीने संजय सोनवणे ने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में इलाके के नशेड़ियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद उनके घर पर पत्थर फेंके गए। इस बीच, उनकी मोटरसाइकिलों से लगातार पेट्रोल चोरी हो रहा था। सोनवणे ने अंततः आरोप लगाया है कि उनकी मोटरसाइकिल को नशेड़ियों ने जला दिया।

उल्हासनगर का ESIS अस्पताल जल्द होगा शुरू

■ वरिष्ठ अधिकारियों ने की वास्तविक कार्य की समीक्षा

उल्हासनगर. उल्हासनगर और आसपास के इलाकों के लाखों बीमाधारकों के लिए राहत भरी खबर है। कैंप नंबर 3 में बन रहे नए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) श्रमिक अस्पताल का निर्माण अब गति पकड़ने वाला है। ईएसआई प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करने के लिए कार्य का निरीक्षण किया।

यह नया अस्पताल उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली, अंबरनाथ और आसपास के क्षेत्रों के 1.5 लाख से अधिक पॉलिसीधारकों और उनके परिवारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस परियोजना के तहत 100 करोड़ रुपये की लागत से एक भूतल एवं दो मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसमें 100 बिस्तरों वाला मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल होगा।

नया अस्पताल बाह्य रोगी सेवाएं (ओपीडी), अंतः रोगी सेवाएं (आईपीडी), नैदानिक परीक्षण, आपातकालीन सेवाएं और विशेष उपचार सुविधाएं प्रदान करेगा। अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह अस्पताल बीमित लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

इस दौरे के दौरान आयुक्त (पश्चिमी क्षेत्र) रामजीलाल मीना, चिकित्सा आयुक्त डॉ. गुंजन गुप्ता, महाराष्ट्र क्षेत्रीय निदेशक सुधाकर सिंह, प्रभारी संयुक्त निदेशक अभिलाषा झा, उप क्षेत्रीय कार्यालय ठाणे और ईएसआई उल्हासनगर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विलास डोंगरे उपस्थित थे। इन अधिकारियों ने अस्पताल के कार्य का निरीक्षण किया तथा इसे शीघ्र पूरा करने पर बल दिया।

निर्माण कार्य में तेजी लाने के आदेश

पश्चिमी क्षेत्र आयुक्त रामजीलाल मीना ने अधिकारियों को अस्पताल के निर्माण कार्य में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। यदि अस्पताल शीघ्र ही खुल जाता है, तो स्थानीय निवासियों को अपने घरों के नजदीक ही उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रशासन की इस यात्रा से स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क को मजबूत करने में तेजी आएगी। बीमाधारकों को समय पर अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ऐसा माना जा रहा है कि यह उल्हासनगर के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य परियोजना है और इससे जल्द ही ठोस लाभ मिलने लगेंगे।

261 बेरोजगारों को ऑन द स्पॉट नौकरी

शिवसेना एवं श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन द्वारा बेरोजगार मेले का आयोजन

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और संवाद फाउंडेशन द्वारा पहली से पदवीधर बेरोजगार युवकों और युवतियों के लिए भव्य रोजगार मेला का आयोजन शहर पूर्व के वडवली रोटरी क्लब हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें 400 के करीब बेरोजगार आए. 261 को ऑन दी स्पॉट नौकरियां दी गईं. शिवसेना संवाद फाउंडेशन के माध्यम से आयोजित बेरोजगार मेला को अच्छा प्रतिसाद मिला. सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक अंबरनाथ के सैकड़ों इच्छुक युवक-युवतियों ने सहभाग लिया. आयोजन पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंखे एवं संवाद फाउंडेशन की सुवर्णा सालुंखे ने किया था. रोजगार मेले में

पदवीधर, उच्च शिक्षित, इंजीनियर युवक युवतियों के लिए आह्वान किया गया था कि 'नाम दर्ज करो और नौकरी पाओ' कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी ऐसी नामचीन कंपनियों के उपस्थितों ने उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेकर पात्रता के अनुसार 261 बेरोजगारों को नौकरी दी. उन्हें अच्छा वेतन भी मिलेगा. अंबरनाथ में अनेक कंपनियां और वेयरहाउस की निर्मिती हुई है. हजारों की संख्या में कंपनियों को मजदूरों की जरूरत है. बेरोजगारों के लिए ये सुनहरा मौका था. उसका लाभ बेरोजगारों ने उठाया है. ऐसा सुभाष सालुंखे ने कहा है. पहले बेरोजगार कंपनी-कंपनी घूम कर रोजगार तलाश करते थे, लेकिन अब नौकरी लेकर तुम्हारे दरवाजे पर आए हैं. सुनिल चौधरी ने ऐसा विचार व्यक्त किया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

वायु प्रदूषण से मौतें

पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हो रही है। जिस वायु को हम प्राणदायिनी मानते हैं, वही प्राण लेने लगे तो इसकी वजह क्या है, यह जानने की कोशिश हम नहीं करते। वायु प्रदूषण कितना घातक है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि प्रदूषक तत्त्व हर क्षण हमारे शरीर के भीतर जा रहे हैं और हमारी रक्त धमनियों से होते हुए शरीर के सभी महत्त्वपूर्ण अंगों तक पहुंच रहे हैं। इसका किस कदर दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इस पर कई अध्ययन सामने आ चुके हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार वायु प्रदूषण के प्रति आगाह किया है। वैश्विक स्तर पर मौत का यह तीसरा प्रमुख कारण है। बावजूद इसके, दुनिया के ज्यादातर और विशेष रूप से कुछ बड़े देश लापरवाही बरत रहे हैं। प्रदूषण का असर फेफड़े और सांस संबंधी बीमारियों तक सीमित नहीं है। दिल्ली में पिछले दिनों स्वास्थ्य पर आयोजित एसोचैम के सम्मेलन में आगाह किया गया कि प्रदूषण से दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ रहा है।

फेफड़े से लेकर हृदय पर भी वायु प्रदूषण का प्रभाव

वायु गुणवत्ता और प्रदूषण के बीच संतुलन की लकीर खींचते हुए हम अभी तक फेफड़े पर बढ़ते दबाव को लेकर ही चिंतित रहे हैं, लेकिन इसका हृदय पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, इस पर कभी ध्यान नहीं गया।

वायु गुणवत्ता पर जोर देते समय हमें अब हृदय स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहना होगा, क्योंकि वायु प्रदूषण के दौरान घातक सूक्ष्म कण निरंतर रक्त प्रवाह में शामिल होते रहते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि ये कोलेस्ट्राल को आक्सीकृत कर देते हैं, जिससे धमनी पट्टिका के फटने की स्थिति पैदा हो जाती है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है।

अगर जीवन प्रत्याशा को कम होने से बचाना है, तो वायु प्रदूषण की चुनौतियों से जमीनी स्तर पर लड़ना होगा। बेहतर होगा कि लोग विलासिता को त्याग कर प्रकृति से जुड़ें। विशेषज्ञ आए दिन इस संदर्भ में चेताते रहे हैं, लेकिन सवाल है कि इस गहराती समस्या का हल क्या है। जब तक इस समस्या के दूरगामी और स्थायी समाधान के व्यावहारिक रास्ते नहीं सुझाए जाते, तब तक केवल समस्याओं की पहचान का कुछ ठोस हासिल नहीं होगा।

आर्थिक सुधारों सहित भारत सरकार की कोशिशें ला रही रंग

यह 2013 की बात है। एक जापानी कंपनी ने भारत में अपने एसी बेचना शुरू किया। उसके एसी की कीमत स्थानीय प्रतिस्पर्धियों से कम थी। इसमें एक पेच था। इन एसी का निर्माण तो चीन में हुआ था, लेकिन भारत में ये मलेशिया के जरिये आते थे। विनिर्माता कंपनी ने भारतीय बाजार में प्रवेश के लिए उस देश को माध्यम बनाया जिसके साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए था।

चूंकि चीनी उत्पादों के लिए टैरिफ लागू था तो चीन से उत्पादों को सीधे भारत भेजने पर लागत बढ़ सकती थी। इसके लिए बस पैकेजिंग या असेंबलिंग में कुछ हेरफेर करना था और भारत में लगभग शुल्क मुक्त उत्पाद भेजना संभव था। यह एक चतुराई भरा दांव था। पूरी तरह से वैध होते हुए भी यह व्यापार नीति में विसंगतियों को रेखांकित करने वाला रहा और यह कोई इकलौता मामला भी नहीं था।

पूरे एशिया में निर्यातक एफटीए के पिछले दरवाजे से भारतीय बाजार में पैठ बनाने की जुगत में जुटे थे। इसमें अक्सर देसी विनिर्माताओं के हितों पर आघात होता रहा। समस्या उक्त विसंगति से भी गहरी है। भारत के तमाम व्यापार समझौते विशेषकर 2014 से पहले ऐसे जो अनुबंध हुए, वे रणनीतिक एवं आर्थिक तर्कों के आधार पर नहीं हुए थे। इस दौरान साफ्टा, जीएसटीपी और श्रीलंका एवं चिली जैसे देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते किए गए जहां फार्मा, पूंजीगत वस्तुएं और भारी मशीनरी जैसे प्रमुख भारतीय निर्यातों के लिए तो कोई खास मांग नहीं थी, लेकिन वे

भारत में चीनी सामान खपाने के परोक्ष ठिकाने जरूर बन गए।

इससे देश में आयात बढ़ते गए और भारत ने लाभ के उद्देश्य से जो समझौते किए वे दूसरों को लाभ पहुंचाने वाले एकतरफा अनुबंध बनकर रह गए। इस समस्या की जड़ 'रूल्स आफ ओरिजिन' यानी वस्तु के मूल स्थान से संबंधित लचर नियमन में थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इस समस्या को चिह्नित किया और व्यापार समझौतों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बदला।

अब उन समझौतों पर जोर दिया जा रहा है जिसमें दोनों पक्षों को बराबर लाभ हो। इसके लिए सरकार किसी जल्दबाजी में भी नहीं दिखती और पूरा समय लेकर आगे बढ़ रही है। संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई और आस्ट्रेलिया के साथ एफटीए में यही व्यापक दृष्टिकोण झलकता है।

भारत अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यहां तक कि अमेरिका के साथ भी ऐसे ही किसी समझौते पर सक्रियतापूर्वक बातचीत कर रहा है। यह व्यापार नीति के पुनर्संयोजन को रेखांकित करता है, जिसमें रक्षात्मक रुख के बजाय रणनीतिक लाभ को माध्यम बनाकर आर्थिक कायाकल्प की जमीन तैयार की जा रही है।

यूएई और आस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते इस दिशा में भारत के नए सोच के परिचायक हैं। इन पर साल भर से कम की वार्ता में मुहर लग गई और इनमें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिनमें भारत निर्यात के लिहाज से मजबूत है। यूएई ने भारत के करीब 90 प्रतिशत निर्यातों पर टैरिफ खत्म कर दिया है जिसमें रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और इंजीनियरिंग वस्तुओं जैसे उत्पाद शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौते से भारतीय दवा, कपड़ा और आईटी सेवाओं की एक बड़े बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए डेरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र को संरक्षण भी प्रदान किया गया। ये समझौते केवल टैरिफ में कटौती तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि इन्हें इस प्रकार आकार दिया गया कि संभावनाशील बाजारों में पैठ बनाने के साथ ही घरेलू हितधारकों के हितों की भी रक्षा की जा सके।

वहीं, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और अगर अमेरिका को भी जोड़ लें तो इन पक्षों के साथ व्यापार समझौतों में इन बाजारों की प्रकृति एवं स्वरूप अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। ये सभी धनी और स्थापित मानदंडों से जुड़े बाजार हैं जहां भारतीय उत्पादों को ऊंचे दाम मिलना संभव है। इन बाजारों में पैठ से भारतीय उत्पादकों को अपनी समूची वैल्यू चेन को समृद्ध करने का अवसर मिलेगा।

प्रभु की निरोगात्मक शक्ति के साथ हम तब जुड़ सकते हैं जब हम अपनी चेतनता को भौतिक शरीर से हटाकर अपने आत्मिक पक्ष की ओर ले जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बिहार के अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं

बिहार में जब सुशासन के दावे के साथ नीतीश कुमार सत्ता में आए थे, शुरू में कुछ समय तक सख्ती रही और आपराधिक गिरोह दुबक कर बैठे दिखे थे। मगर फिर उन्होंने सिर उठाना शुरू किया, तो उन पर काबू पाना नीतीश सरकार के लिए चुनौती ही बना रहा। कई बार ऐसा लगता है कि अपराधियों के भीतर पुलिस और कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। वे सरेआम किसी की हत्या कर बड़ी आसानी से निकल भागते हैं और पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाती। खुद वहां की पुलिस पर भी अक्सर हमले होते रहते हैं।

अगर सचमुच वहां कानून-व्यवस्था चुस्त होती, सुशासन के दावे हकीकत होते, तो नीतीश कुमार के इतने लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद आए दिन हिंसक घटनाएं इस तरह नहीं हो पातीं और न पुलिस इस कदर कभी लाचार नजर आती। इसका ताजा उदाहरण राज्य की राजधानी में एक अस्पताल में घुस कर बदमाशों का गोली चला कर अस्पताल प्रबंधक को जान से मार देना है। उस दिन पूरे शहर में बिहार दिवस के जलसे आयोजित थे और बदमाश शाम के छह बजे अस्पताल के भीतर घुसे, अस्पताल की निदेशक महिला की गोली मार कर हत्या कर दी और बड़े आराम से निकल गए।

यह कोई पहली ऐसी घटना नहीं है, जब बदमाशों ने इस तरह किसी की हत्या कर दी। कभी कहीं जातीय हिंसा भड़क उठती है और लोग मारे जाते हैं, तो कभी कहीं किसी वैमनस्य के कारण किसी की हत्या कर दी जाती है। ताजा घटना के पीछे भी आपसी वैमनस्य बताया जा रहा है। इस संभावना से भी इनकार नहीं किया

जा सकता कि किसी मरीज के परिजनों की अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर कोई नाराजगी रही हो। पर किसी की किसी से नाराजगी का अर्थ यह नहीं होता कि वह मनमाने तरीके से किसी की जान ले ले।

अस्पतालों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर पिछले कुछ समय से गहरे सवाल उठते रहे हैं। कुछ समय पहले ही पश्चिम बंगाल के अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या के बाद देश भर के डाक्टरों ने अपनी सुरक्षा को लेकर आंदोलन किया था। तब सरकार ने उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाया था। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस दिशा में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। उससे पहले भी दिल्ली आदि के चिकित्सक अस्पतालों में तैनात चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा का सवाल उठाते रहे हैं। ऐसा नहीं माना जा सकता कि बिहार सरकार इस बात से अनजान है। अगर वहां प्रशासन सचमुच अस्पतालों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर होता, तो ऐसी घटना शायद न घटने पाती।

सुशासन केवल नारों से स्थापित नहीं हो जाता, उसके लिए अपराधियों में कानून का भय पैदा करना पड़ता है। नीतीश कुमार सरकार सुशासन के दावे तो खूब करती रही है, पर हकीकत यही है कि बिहार के अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं है। सवाल यह है कि अगर 2005 से पहले के शासनकाल पर जंगल राज होने का आरोप लगाया जाता था, तो आज अपराधियों के इस तरह बेखौफ हो जाने और कानून व्यवस्था के लाचार दिखने को किस रूप में देखा जाएगा! जहां अपराधी पुलिस पर हमले करने से न हिचकते हों, वहां सुशासन या बेहतर कानून-व्यवस्था का भला कैसे दावा किया जा सकता है।

60 की उम्र में रोज करते हैं 2100 बार दडवंत प्रणाम

जरा हट के

भरतपुर जिले के रूपवास कस्बे से 60 वर्षीय संत केदार कटारा खाटूश्याम (सीकर) तक दंडवत यात्रा पर निकले हैं. 510 दिन की इस कठिन यात्रा में अब तक वे करीब 132 किमी की दूरी तय कर जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे स्थित मानपुर चौराहा पहुंचे, जहां श्याम भक्तों ने उनका भव्य स्वागत किया. संत केदार ने यह यात्रा 24 अक्टूबर 2023 को रूपवास के श्री चिंता हरण हनुमान मंदिर से शुरू की थी, जो सात साल बाद अक्टूबर 2030 में पूरी होगी.

संत केदार प्रतिदिन 300-400 मीटर का सफर तय करते हुए 2,100 दंडवत करते हैं. खाटू श्याम तक की करीब 321 किमी की दूरी को पूरा करने के लिए वे कुल 17,65,551 दंडवत करेंगे. अब तक 132 किमी की यात्रा में 7,51,000 दंडवत कर चुके हैं, जबकि बाकी 156 किमी की दूरी पूरी करने में छह साल और 8,81,000 दंडवत करने होंगे.

संत केदार कटारा ने बताया कि उनकी दंडवत यात्रा सनातन धर्म, हिन्दू देवी-देवताओं और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए है. इसके अलावा, देश और समाज की सेवा के प्रति जागरूकता वन और गौवंश की रक्षा, विश्व शांति और मानव कल्याण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता और भाईचारे और प्रेम का संदेश फैलाना है.

13वीं कनक दंडवत यात्रा

संत केदार की यह 13वीं कनक दंडवत यात्रा है. इससे पहले वे 12 बार इसी तरह खाटू श्याम तक पहुंच चुके हैं. उनका मानना है कि खाटू श्याम बाबा हर भक्त की सुनते हैं और इच्छाएं पूर्ण करते हैं.

मोटरसाइकिल बना आशियाना

यात्रा के दौरान संत केदार ने एक मोटरसाइकिल को रथ में बदल रखा है, जिसमें खाटू श्याम की अखंड ज्योति जल रही है. वे इसी रथ में ठहरते हैं और रात भी यहीं बिताते हैं. जब दिनभर की दंडवत यात्रा पूरी हो जाती है, तब वे मोटरसाइकिल में ही विश्राम करते हैं.

तरबूज का टेस्टी हलवा

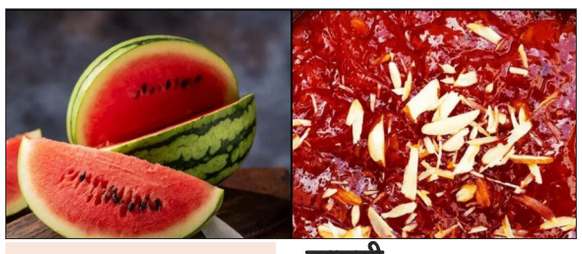

गर्मियों के सीजन में तरबूज भला कौन नहीं खाता है। कई लोग इसका जूस या स्मूदी बनाकर भी पीते हैं, लेकिन क्या आपने कभी इसका हलवा खाया है? जी हां, ये खाने में इतना स्वादिष्ट होता है, कि आप एक बार इसे बनाएंगे, तो सूजी, बेसन या मूंग दाल का हलवा भी भूल जाएंगे। यकीन नहीं हो रहा? तो चलिए आइए एक बार इस आसान रेसिपी से बनाकर देखिए तरबूज का टेस्टी हलवा।

खाना-खजाना

सामग्री :

- तरबूज- 1
- बेसन- 1/4 कप
- सूजी उपमा -1/4 कप
- चीनी- 1/2 कप
- दूध- 1 कप
- घी- 4 टी स्पून
- केसर- 2 चुटकी
- खोया- 1/2 कप
- इलायची पाउडर- 1 टी स्पून

विधि :

तरबूज का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले इसे छीलकर कद्दूकस कर लें। अब गैस पर एक मोटे तले की कढ़ाई में घी डालकर गर्म करने के लिए रख दें। घी गर्म हो जाए, तो इसमें बेसन और सूजी डालें। दोनों चीजों को तबतक भूनें, जबतक तब तक भूनें जब तक बेसन की खुशबू आने न लगे।

अब कढ़ाई में कद्दूकस किए गए तरबूज को डालें, और घी छोड़ने तक लगातार चलाते हुए पका लें। इसमें चीनी, दूध और खोया भी डालें, और मिश्रण को मिक्स करके 10-15 मिनट और मीडियम फ्लेम पर पकने दें।

अब इसमें इलायची पाउडर मिलाएं, और चाहें तो अपने पसंदीदा ड्राइ फ्रूट्स भी डाल दें। तैयार है तरबूज का स्वादिष्ट हलवा।

कोलेस्ट्रॉल का काल हैं अलसी के बीज

- सिर्फ 7 दिन कर लें सेवन
- खून में जमी गंदगी होगी साफ

अलसी के बीजों को सेहत के लिए रामबाण माना जा सकता है. ये बीज दिखने में जितने छोटे होते हैं, उतने ही बड़े पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. अलसी के बीजों का सेवन करने से आपको कई परेशानियों से निजात मिल सकती है और आपकी ओवरऑल सेहत दुरुस्त हो सकती है. यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर मेडिकल सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार 1 चम्मच अलसी के बीजों में 1.88 ग्राम प्रोटीन, 2.81 ग्राम फाइबर, 26 मिलीग्राम कैल्शियम समेत तमाम पोषक तत्व होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं. अगर आप रोज एक चम्मच अलसी के बीज खाना शुरू कर दें, तो आपको सिर्फ एक सप्ताह के अंदर ही असर दिखना शुरू हो जाएगा. अलसी के बीज कोलेस्ट्रॉल कम करने में बेहद मददगार माने जाते हैं. कई रिसर्च में यह बात सामने आ चुकी है.

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (NCBI) की रिसर्च में पता चला है कि अलसी के बीजों में डाइटरी फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जिससे कोरोनरी हार्ट डिजीज से बचाव हो सकता है. इन बीजों में पाया जाने वाला सॉल्यूबल फाइबर खून की धमनियों में जमे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है. अब तक कई स्टडी में सामने आया है कि इन बीजों का सेवन करने से शरीर का बैड यानी एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और टोटल कोलेस्ट्रॉल दोनों कम हो सकते हैं. डायबिटीज के जिन मरीजों का कोलेस्ट्रॉल लेवल ज्यादा है, उनके लिए भी अलसी के बीज बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं. अलसी के बीजों में करीब 30 प्रतिशत डाइटरी फाइबर होता है, जिसमें से एक तिहाई फाइबर वॉटर सॉल्यूबल है.

अलसी के बीजों को सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं, बल्कि हार्ट डिजीज से बचाने में बेहद कारगर माना जा सकता है. इसके अलावा अलसी के बीजों का सेवन करने से डाइजेशन सिस्टम बूस्ट हो सकता है. फाइबर का बेहतरीन सोर्स होने की वजह से अलसी के बीज कब्ज के मरीजों को राहत देते हैं और पेट साफ करने में मददगार होते हैं. पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने के लिए इन बीजों का सेवन करने की सलाह दी जाती है. आयुर्वेद एक्सपर्ट्स की मानें तो अलसी के बीजों का सेवन लंबे समय तक किया जा सकता है. इसका सेवन करने से सेहत को किसी तरह का नुकसान नहीं होता है. इन बीजों को आप सलाद में मिलाकर खा सकते हैं या इन्हें पीसकर पाउडर बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं.

बार-बार भूलने की आदत से हो रहे परेशान?

- तुरंत अपनाएं 5 आसान तरीके,
- सालों तक याद रहेगी हर बात

हमारी जिंदगी को बेहतर बनाए रखने के लिए ब्रेन हेल्थ बेहद का खयाल रखना बेहद जरूरी है. हालांकि आज के जमाने में लोगों को ब्रेन हेल्थ सुधारने का वक्त ही नहीं मिल पाता है. एक जमाना था जब लोगों की कमजोर मेमोरी को उम्र से जोड़कर देखा जाता था, लेकिन अब हालात बिल्कुल बदल गए हैं. आजकल बुजुर्गों के साथ युवाओं की मेमोरी भी कमजोर होने लगी है, जो चिंता का विषय है. आज आपको 5 आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बुढ़ापे तक अपनी याददाश्त को बेहतर बनाए रख सकते हैं.

– ब्रेन बूस्टिंग एक्टिविटी करने से आपकी मेमोरी शार्प हो सकती है. यह ऐसी एक्टिविटी होती हैं, जो आपके ब्रेन को चैलेंज करती हैं. कोई नई भाषा सीखना या किसी इंस्ट्रूमेंट को बजाने की कोशिश करने जैसी एक्टिविटीज मेमोरी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती हैं. ये एक्टिविटीज ब्रेन को स्टिम्युलेट करती हैं और न्यू न्यूरल कनेक्शंस की ग्रोथ को प्रमोट करती हैं. इससे मेमोरी पर पॉजिटिव असर होता है.

– मेमोरी को बूस्ट करने के लिए पिछली चीजों को याद रखना बेहद जरूरी है. आजकल सभी लोग कोई भी चीज याद नहीं करना चाहते हैं और बात-बात पर गूगल इस्तेमाल करते हैं. गूगल का उपयोग किए बिना अपनी मेमोरी पर जोर डालकर पहले पढ़ी या देखी गई चीजों को याद रखने का अभ्यास करना चाहिए.

– मेमोरी को इंप्रूव करने के लिए प्रतिदिन वर्कआउट रूटीन फॉलो करना बेहद जरूरी होता है. खासतौर से एरोबिक एक्सरसाइज करना मेमोरी के लिहाज से बेहद फायदेमंद माना जाता है. एरोबिक एक्सरसाइज करने से युवा और बुजुर्ग दोनों की मेमोरी तेज होती है. एक्सरसाइज, स्विमिंग, रनिंग और वॉकिंग करने से ब्रेन तक ब्लड फ्लो बेहतर होता है. इससे ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट मिलता है.

– नींद और एक्सरसाइज के बाद मेमोरी को बूस्ट करने का तीसरा सबसे बढ़िया तरीका माइंडफुलनेस है. माइंडफुलनेस एक जगह आराम से बैठकर अपने माइंड और बॉडी पर फोकस करने की प्रैक्टिस है. कई स्टडी में माइंडफुलनेस को प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की मोटाई बढ़ाने के लिए दिखाया गया है. ब्रेन का यह हिस्सा अटेंशन और मेमोरी से जुड़ा हुआ है. यह प्रैक्टिस मेमोरी के लिए बेहद फायदेमंद होती है.

आज का राशिफल

मेष : वव्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। नए कार्य में लाभ मिलेगा। नौकरी और व्यापार के लिए समय अच्छा रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृषभः पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर–बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुनः प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने–बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्कः नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन–देन में सावधानी रखें।

सिंहः पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है।

कन्याः पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

तुलाः दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिकः शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनुः यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मकरः कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभः नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

मीनः चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भूख लगे बगैर ही खाते रहते हैं तो होता है शरीर को नुकसान

अक्सर लोग भूख लगे बगैर ही खा लेते हैं। कभी दोस्तों के साथ पार्टी करने के चक्कर में तो कई बार बस खाने की प्लेट में बचा खाना पूरा खत्म करने के लिए। कुछ लोग तो बस बैठे-बैठे काम के बीच में ही स्नैकिंग पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप बिना भूख के ही खाते रहते हैं तो ये शरीर के लिए खतरनाक स्थिति है। आइए जानें बिना भूख लगे खाने पर शरीर पर क्या असर होता है।

पहले समझ लें कैसे लगती है भूख

शरीर हमें खाने और ना खाने का संकेत देती है। इसके लिए दो हार्मोंस होते हैं। घ्रेलिन और लेप्टिन। इन हार्मोंस की मदद से शरीर को भूख लगने का संकेत मिलता है। घ्रेलिन हमें भूख लगने का संकेत देता है तो वहीं लेप्टिन हमे पेट भरने और संतुष्टि का संकेत देता है। कुछ लोगों में खाने के करीब 20 मिनट बाद पेट भरने का संकेत मिलता है।

ब्लड शुगर लेवल को कर देता है डिस्टर्ब

जब आप बिना भूख लगे खा लेते हैं तो इससे ब्लड शुगर लेवल पर निगेटिव असर पड़ता है। खासतौर पर जब हाई प्रोसेस्ड फूड को खाते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल एकद से बढ़ जाता है और थोड़ी ही देर बाद घट जाता है। जिसकी वजह से थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होता है। नतीजा टाइप टू डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

वजन पर पड़ता है असर

ज्यादा खाना शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ाता है और साथ ही शरीर का वजन भी बढ़ता है। दरअसल, जब हम टीवी या मोबाइल देखकर खाना खाते हैं तो ज्यादा खा लेते हैं और पेट भरने का एहसास नही होता और ज्यादा मात्रा में खा लेते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर असर

खाने की महक के साथ ही पाचन एंजाइम्स काम करना शुरू कर देते हैं। जब हम बिना भूख लगे ही खाते हैं तो इससे दिमाग पाचन क्रियाओं को संकेत नहीं दे पाता और पेट में गया खाना पचना शुरू नहीं करता। जिसकी वजह से अपच की समस्या पैदा होना शुरू हो जाती है और डाइजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ हो जाता है।

मूड पर पड़ता है असर

हम क्या खाते हैं, इसका असर मूड पर पड़ता है। ओवरईटिंग या मनपसंद खाना खाने से डोपामाइन रिलीज होता है और हमे अच्छा महसूस होता है। लेकिन जल्दी ही मूड स्विंग हो जाता है। 2001 की स्टडी के मुताबिक खाना किसी नशे की लत जैसा होता है। जो व्यवहार पर असर डालता है। भूख ना लगने पर खाना खाना खुद को खुशी देने जैसा होता है।

नींद पर डालता है असर

2018 में हुई स्टडी के मुताबिक फूड क्रेविंग्स और खराब नींद की क्वालिटी का आपस में कनेक्शन है। स्टडी के मुताबिक करीब 60 प्रतिशत प्रतिभागी जिनकी नींद की क्वालिटी खराब थी वो रात के समय स्नैक्स खाने वाले थे। तो ये स्टडी से पता चलता है कि भूख ना लगने पर भी स्नैकिंग करना नींद की क्वालिटी को खराब कर देता है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बलि की साजिश! यूपी में 2 साल के बच्चे का अपहरण, बेहोशी की हालत में मिला

बलरामपुर. यूपी के बलरामपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां कथित तौर पर तंत्र-मंत्र के नाम पर बलि देने के लिए एक 2 साल के मासूम का अपहरण कर लिया गया। हालांकि अगले दिन मृट्टी के डेहरी में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस भी एक्टिव हो गई और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक गड़ासा और छुरा भी बरामद हुआ। ये मामला उतरौला थाना क्षेत्र के तेंदुआ तकिया गांव का है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने सोमवार को बताया कि घर के बाहर खेलते समय दो वर्षीय अनमोल गायब हो गया। रविवार को आशंका होने पर ग्रामीण पड़ोसी लक्ष्मी नारायण कोरी के घर में घुसे तथा जब वे मिट्टी के डेहरी के पास पहुंचे तो लक्ष्मी नारायण उन्हें रोकने लगा। शंका होने पर गांव वालों ने डेहरी खोल कर देखा तो अनमोल वहां बेहोशी की हाल में पड़ा मिला।

"आई लव यू पाकिस्तान" पोस्ट करने वाले आरोपी पर पुलिस का ऐक्शन, FIR

बरेली. बरेली जिले की इज्जत नगर पुलिस ने सोशल मीडिया पर 'आई लव यू पाकिस्तान' पोस्ट करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने यह जानकारी दी इज्जतनगर थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विजेंद्र सिंह ने बताया कि थाने के उपनिरीक्षक इसरार अली को जानकारी मिली थी कि सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट वायरल हो रही है। इसके बाद छानबीन करने पर पता चला कि बरेली के थाना इज्जत नगर के शिकारपुर चौधरी गौटिया निवासी तबरेज आलम ने फेसबुक पर यह पोस्ट (आई लव यू पाकिस्तान) की है।

रंगदारी मांगने के मामले में बड़ा ऐक्शन, तीन पर गैंगस्टर और सगरना गिरफ्तार

मुरादाबाद. मुरादाबाद में निर्यातक को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख की रंगदारी मांगने और 5 लाख वसूलने वाले तीन आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने बरेली में दबिश देकर गिरोह के सरगना अनुज कुमार गंगवार को गिरफ्तार कर लिया है। आईटीबीपी में एसआई रह चुका है आरोपी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि एसएचओ सिविल लाइंस मनीष सक्सेना की ओर से शनिवार को थाने में गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज कराया गया। जिसमें बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के महानगर कालोनी निवासी अनुज कुमार गंगवार, कटघर के पीतल नगरी नंद कॉलोनी निवासी शिवकुमार शर्मा और मझोला के आजादनगर गत्ता फैक्ट्री एकता कालोनी में रहने वाले बरेली के आंवला थाना क्षेत्र के गांव रसूला निवासी पवन शर्मा को आरोपी बनाया गया है।

यूपी में एसएचओ की दबंगई, थाने में बंद कर दलित युवक को पीटा, एसपी ने लिया ऐक्शन

अमेठी. यूपी के अमेठी में रास्ते की भूमि पर हुए अतिक्रमण व अवैध कब्जे को हटवाने के लिए लड़ाई लड़ रहे दलित युवक को थाने में बंद कर पिटाई करना व जातिसूचक गालियां देना रामगंज थाने के एसएचओ अजयेन्द्र पटेल को भारी पड़ गया। एसपी ने एसओ अजयेन्द्र पटेल को रामगंज थाने से हटाकर पुलिस कार्यालय में मानिटरिंग सेल में तैनात कर दिया है। वहीं साइबर थाने पर तैनात कृष्ण मोहन सिंह को रामगंज थाने का चार्ज सौंपा गया है। रामगंज थाना क्षेत्र के अग्रेसर का रहने वाले राहुल गौतम ने शनिवार को एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि गांव में रास्ते की भूमि पर हुए अतिक्रमण व अवैध कब्जे को हटवाए जाने के लिए उसने 19 दिसंबर 2024 को उच्च न्यायालय में पीआईएल दाखिल किया है।

मुख्य आरोपी फहीम के घर बुलडोजर चला

- 500 दंगाइयों को भड़काने का आरोप
- देशद्रोह का केस
- औरंगजेब की कब्र पर था विवाद

नागपुर. औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर नागपुर में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर पर सोमवार को बुलडोजर चलाया गया। हिंसा के एक और आरोपी यूसुफ शेख के घर का अवैध निर्माण भी तोड़ा गया है।

नागपुर नगर निगम ने संजय बाग कॉलोनी, यशोधरा नगर में मौजूद फहीम के मकान का अवैध निर्माण हटाने के लिए रविवार को 24 घंटे का समय दिया था, जो सोमवार को पूरा हो गया।

फहीम का मकान उसकी पत्नी के नाम पर है। नगर निगम ने इसकी बिल्डिंग परमिशन अप्रूवल में गड़बड़ी को लेकर कार्रवाई का नोटिस दिया था।

नागपुर में 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विवाद के बाद हिंसा हुई है। इसके मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी के

शहर अध्यक्ष फहीम खान को दंगा और आगजनी की घटनाओं के दो दिन बाद 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी पुलिस हिरासत में हैं। फहीम ने 21 मार्च को सेशंस कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी। उसका दावा है कि उसे राजनीतिक प्रतिशोध के चलते गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि उसने विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

फडणवीस ने कहा था- जरूरत पड़ी तो बुलडोजर चलाएंगे

हिंसा के पांचवें दिन शनिवार को CM देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था- नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। फडणवीस ने कहा था कि पीड़ितों के नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कठोर धाराएं लगाई जाएंगी।

हाई कोर्ट ने लगाई रोक

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने हिंसा मामले में फहीम खान समेत 2 आरोपियों के घरों को ढहाने पर सोमवार को रोक लगा दी। साथ ही, प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। फहीम खान के दो मंजिला घर को अदालत के आदेश से पहले ही ढहा दिया गया था, जबकि यूसुफ शेख के घर के अवैध हिस्सों को ढहाने की कार्रवाई अदालत के आदेश के बाद रोक दी गई। दोनों आरोपियों ने अदालत में याचिका दायर कर जल्द सुनवाई की मांग की थी।

जस्टिस नितिन साम्ब्रे और जस्टिस वृषाली जोशी की खंडपीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। पीठ ने सवाल किया कि कथित अवैध हिस्सों को ढहाने से पहले मकान मालिकों की बात क्यों नहीं सुनी गई।

कर्नाटक डिप्टी CM के बयान पर संसद में हंगामा

- मुस्लिम आरक्षण पर कहा था- कॉन्स्टिट्यूशन बदलेंगे
- खड़गे बोले- कोई संविधान नहीं बदल सकता

नई दिल्ली. संसद में बजट सत्र के दूसरे फेज के 9वें दिन कर्नाटक के डिप्टी CM डीके शिवकुमार के एक बयान पर

राज्यसभा में हंगामा हुआ। इसके चलते सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले सदन 2 बजे तक स्थगित किया गया। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर फिर हंगामा हुआ, तो राज्यसभा पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

दरअसल, डिप्टी CM शिवकुमार ने 23 मार्च को कर्नाटक के एक कार्यक्रम में मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर कहा था कि संविधान बदल देंगे।

सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का अपमान किया है।

जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- बाबासाहेब के संविधान को कोई नहीं बदल सकता। आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता। इसकी रक्षा के लिए हमने भारत जोड़ो यात्रा की। आप भारत तोड़ रहे हैं।

वहीं, मामला बढ़ने पर कर्नाटक के डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने कहा, 'मैंने संविधान बदलने की बात नहीं कही। ये लोग (BJP) गलत बातें फैला रहे हैं। हमारी राष्ट्रीय पार्टी है।'

सांसदों की बढ़ गई सैलरी, भत्ते और पेंशन में भी इजाफा

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने सांसदों के वेतन और भत्ते में बढ़ी बढ़ोत्तरी की है। इसके साथ ही पूर्व सांसदों के पेंशन में भी इजाफा किया गया है। बड़ी बात यह है कि यह बढ़ोत्तरी 1 अप्रैल, 2023 से ही प्रभावी होगी। अब सांसदों को हर महीने 1,24,000 रुपये मिलेंगे, जो पहले एक लाख रुपये थी। इसके अलावा, सांसदों का दैनिक भत्ता भी बढ़ाकर अब 2000 से ढाई हजार कर दिया गया है। पूर्व सांसदों का पेंशन 25 हजार से बढ़ाकर अब

31 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

यह बढ़ोत्तरी संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत किया गया है। यह आयकर अधिनियम, 1961 में उल्लिखित लागत मुद्रास्फीति सूचकांक पर आधारित है।सरकार ने वेतन बढ़ोत्तरी से जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है।

सरकारी अधिसूचना के मुताबिक, वैसे पूर्व सांसदों के अतिरिक्त पेंशन में भी बढ़ोत्तरी की गई है, जो एक से ज्यादा कई कार्यकाल तक सांसद रहे हैं। इसके तहत पूर्व सांसदों को सेवा के हरेक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन के तौर पर अब 2500 रुपये मासिक पेंशन मिलेंगे, जो पहले 2,000 प्रति माह थी।

दिल्ली में इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों का प्रदर्शन

- राहुल बोले- RSS देश का एजुकेशन सिस्टम खत्म कर रहा

नई दिल्ली. विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुआई में सोमवार को जंतर-मंतर पर INDIA गठबंधन के छात्र संगठनों ने देशभर में बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया।

छात्र संगठन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP), नियुक्तियों पर UGC के प्रस्तावित दिशा-निर्देशों को वापस लेने और छात्र संघों को बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का है और सरकार इस मुद्दे पर चुप है। राहुल बोले हम छात्र हितों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि RSS देश के एजुकेशन सिस्टम को खत्म कर रहा है और आने वाले वक्त में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।

राहुल ने कहा, ₹एक संगठन हिंदुस्तान के भविष्य को, एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने में लगा है। उसका नाम RSS है। सच्चाई है कि हमारा शिक्षा का सिस्टम धीरे-धीरे उनके हाथों में जा रहा है। अगर सिस्टम उनके हाथों में चला जाएगा तो देश बर्बाद हो जाएगा। किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।₹

प्रदर्शन में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (AISF), मुस्लिम स्टूडेंट्स फेडरेशन (MSF), समाजवादी छात्र सभा और छात्र राष्ट्रीय जनता दल (CRJD) शामिल हैं।

सिब्बल बोले- INDIA सार्वजनिक मंच पर ब्लॉक रहे, अनब्लॉक नहीं

- विपक्ष को एकजुट रहना होगा
- देशहित से जुड़े मुद्दों में एक राय हो

नई दिल्ली. राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने विपक्षी गठबंधन INDIA के रवैये पर सवाल उठाए। सिब्बल ने कहा INDIA को सार्वजनिक मंच पर ब्लॉक (गुट) के रूप में दिखना चाहिए न कि अनब्लॉक होना चाहिए।

INDIA गुट में शामिल सभी विपक्षी दलों को एकजुट रहना ही होगा। भविष्य के लिए एक बेहतर नीति, वैचारिक रूपरेखा और कार्यक्रम की आवश्यकता है। देशहित से जुड़े मुद्दों में एक राय होनी चाहिए। सिब्बल ने यह बयान पिछले कुछ महीनों में INDIA गुट में पड़ी फूट को लेकर दिया। दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और आप पार्टी ने एक-दूसरे पर कई आरोप लगाए थे।

लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा के बढ़ते प्रभाव और हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनाव जीतने के लिए विपक्षी ब्लॉक में एकजुटता की कमी सामने आई

थी। न्यूज एजेंसी PTI से बातचीत में सिब्बल ने कहा- मैं राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर की बात नहीं कर रहा हूं। देश हित के मुद्दों पर जिस तरह से विचार किया जाता है, उसमें सामंजस्य होना चाहिए।

इसके लिए एक सिस्टम बनाना होगा, INDIA ब्लॉक के प्रवक्ता इन बातों को आगे रखें। जब तक ऐसा नहीं होगा मुझे नहीं लगता कि यह बहुत प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है।

सिब्बल बोले- वक्फ बिल पर NDA दलों का रुख देखना होगा

संसद के चल रहे बजट सत्र के दौरान पेश किए जा सकने वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक और विपक्ष के विकल्पों के बारे में पूछे जाने पर, सिब्बल ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि NDA में शामिल बाकी दल इस मामले में क्या करने को तैयार हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास बहुमत नहीं है। सिब्बल ने आगे कहा कहा कि बिहार में चुनाव होने वाले हैं। मुझे लगता है कि अगर वे विधेयक पेश करते हैं, तो उन्हें चिंता हो सकती है कि बिहार में चुनाव प्रक्रिया पर इसका क्या असर हो सकता है। फिलहाल हमें इंतजार करना होगा। देखते हैं आगे क्या होता है। हालांकि अगर विधेयक पारित हो जाता है, तो इसे चुनौती देने वालों के पास विकल्प उपलब्ध हैं।

पैसेंजर विमान को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका

- लैंड करने पर भी स्पीड कम नहीं हुई
- डिप्टी CM और DGP भी बैठे थे

शिमला. हिमाचल के शिमला में जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। दिल्ली से शिमला आए एलायंस एयर के ATR विमान को तकनीकी खराबी आने के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। बताया गया है कि लैंडिंग के बाद विमान की स्पीड कम नहीं हुई थी।

विमान में हिमाचल के डिप्टी CM मुकेश अग्निहोत्री और DGP डॉ. अतुल वर्मा सवार थे। दोनों दिल्ली से शिमला लौट रहे थे।

एलायंस एयर का 42 सीटर विमान दिल्ली से सुबह शिमला आता है। विमान में क्रू मेंबर्स समेत 44 यात्री थे। यह फ्लाइट दिल्ली से शिमला, शिमला से धर्मशाला, धर्मशाला से शिमला और शिमला से शाम को वापस दिल्ली जाती है। फिलहाल अगली तीनों फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं।

डिप्टी CM मुकेश अग्निहोत्री ने कहा- रनवे शॉर्ट पड़ गया या फिर लैंडिंग में दिक्कत आई। अचानक जोरदार तरीके से ब्रेक लगाई। इसके बाद उसे पॉइंट पर रोका गया। करीब 20-25 मिनट हम प्लेन में ही रहे। हमें कहा कि टैक्सी बुलाकर आपको वहां पहुंचाएंगे, लेकिन बाद में प्लेन को ही पीछे पार्क किया। उन्होंने धर्मशाला की फ्लाइट रद्द कर दी।

चलती ट्रेन में युवती से रेप की कोशिश : बचने के लिए ट्रेन से कूदी

- महिला कोच में अकेली थी तभी युवक ने जबरदस्ती की

हैदराबाद. एक युवती के साथ चलती ट्रेन में रेप करने की कोशिश की गई। खुद को बचाने के लिए युवती चलती ट्रेन से कूद गई। जिसके बाद वह घायल हो गई। पीड़ित का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना 22 मार्च की शाम को

कोमपल्ली के पास रात करीब 8:15 बजे हुई। हुई जब युवती हैदराबाद के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से मेडचल जाने वाली MMTS ट्रेन के महिला कोच में अकेले यात्रा कर रही थी।

युवती ने पुलिस को बताया कि कोच में यात्रा कर रही दो महिला यात्री अलवल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतर गई। उसके बाद मैं कोच में अकेली यात्री थी। तभी करीब 25 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति मेरे पास आया और गंदी हरकत करने लगा। मना करने पर उसने जबरदस्ती करने की कोशिश की। अपने आप को बचाने के लिए मैं चलती ट्रेन से कूद गई। GRP पुलिस के अनुसार युवती के सिर, ठोड़ी, दाहिने हाथ और कमर पर खून बहने के निशान थे और बाद में कुछ राहगीरों ने उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

कूनो से बाहर निकले 5 चीते, ग्रामीणों ने पत्थर मारे

गाय पर झपटे तो लाठी मारने दौड़े लोग; एक महीने पहले जंगल में छोड़े गए थे

श्योपुर. कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकले 5 चीतों पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, मौके पर मौजूद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ग्रामीणों से चीतों से दूर रहने कहती रही, लेकिन वे नहीं माने। घटना सोमवार सुबह की है।

दरअसल, एक महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक शनिवार शाम को पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे। चीते रविवार को दोपहर बाद फिर कूनो

के जंगल की ओर लौट गए थे।

रविवार रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास देखे गए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे।

सोमवार सुबह ये पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी में पहुंचे। वे निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान कूनो सायफन से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ चीतों को देखने के लिए जमा हो गई। मादा चीता और शावक एक-एक कर रास्ता पार कर रहे थे, तभी उन्होंने गाय पर झपट्टा मारा। मादा चीता और शावकों को भगाने के लिए ग्रामीण लाठी लेकर दौड़े और पत्थर मारना शुरू कर दिए। चीता ज्वाला काफी देर तक गाय का गला पकड़े रही। जैसे ही उसे पत्थर लगा उसने गाय को छोड़ दिया और शावकों के साथ भाग निकली। घटना के बाद करीब 10 बजे चीता दल, कूनो पुल क्षेत्र से निकलकर वीरपुर के तिललिडेररा क्षेत्र पहुंचा है।

क्या धोनी पर्दे के पीछे से कर रहे CSK की कप्तानी?

'मैं अलग नहीं हूं, मुझे ढलना होगा'

धोनी ने जियोस्टार से कहा, ''बल्लेबाज अब जोखिम लेने को तैयार हैं। अब बल्लेबाजों का मानना है कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ वे बड़े स्ट्रोक खेल सकते हैं और साथ ही वे अपने शॉट चयन में सुधार कर रहे हैं फिर चाहे वह तेज गेंदबाज के खिलाफ रिवर्स स्कूप हो, स्वीप हो या तेज गेंदबाज के खिलाफ रिवर्स स्वीप हो।'' उन्होंने कहा, '''मैं उनसे अलग नहीं हूं। मुझे भी खुद को ढालना होगा। जहां मैं बल्लेबाजी कर रहा हूं, वहां मेरे लिए यही जरूरी है। आपको कोशिश करनी होगी और प्रासंगिक बने रहना होगा।''

ऋतुराज को लेकर बोले- सच है कि 99 फीसदी फैसले...

करिश्माई क्रिकेटर एमएस धोनी ने ऋतुराज गायकवाड़ को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी सौंपने के बावजूद पर्दे के पीछे से निर्णय लेने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में प्रासंगिक बने रहने के लिए खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चेन्नई की रविवार की रात को खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ चार विकेट से जीत के बाद धोनी ने गायकवाड़ के नेतृत्व, अपनी फॉर्म और मौजूदा लीग में की जा रही क्षेत्रीय कमेंट्री के बारे में भी बात की।

2024 में गायकवाड़ बने कप्तान

धोनी ने कहा, ''हमने जिस तरह से 2008 में टी20 खेला था और जिस तरह से हम पिछले साल आईपीएल में खेले उसमें बहुत अंतर था। पहले विकेट काफी टर्न लेते थे लेकिन अब भारत के विकेट पहले की तुलना में काफी बेहतर बन गए हैं। यह बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल है।'' चेन्नई ने धोनी के कप्तान रहते हुए पांच आईपीएल खिताब जीते, लेकिन उन्होंने 2024 के सत्र से पहले गायकवाड़ को कमान सौंप दी थी। धोनी ने कहा कि हालांकि वह गायकवाड़ के साथ चर्चा करते हैं, लेकिन वह उन पर अपनी सलाह नहीं थोपते हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध

प्रयागराज. जस्टिस यशवंत वर्मा का स्थानांतरण दिल्ली से इलाहाबाद हाईकोर्ट करने का वकीलों ने जबरदस्त विरोध का ऐलान कर दिया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है। सोमवार देर शाम अध्यक्ष अनिल तिवारी के आवास पर बार पदाधिकारियों की बैठक में तय किया गया कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम का तबादले का निर्णय जब तक वापस नहीं लिया जाता है, यहां के अधिवक्ता न्यायिक कार्य नहीं करेंगे। इससे पहले जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से करोड़ों रुपये मिलने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार ने सोमवार को आम सभा की बैठक की।

बैठक में सहमति से प्रस्ताव पारित किया कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से करोड़ों रुपये मिलने के मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए और जांच पूरी होने तक उनका किसी भी दूसरे हाईकोर्ट में स्थानांतरण न किया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश उनके खिलाफ महाभियोग लाने की सिफारिश भी करे।

बरेली में 3 मिनट में 400 सिलेंडर ब्लास्ट

- गैस गोदाम में आग लगी, घर छोड़कर भागे लोग
- आधा किमी तक टुकड़े बिखरे

बरेली. बरेली में सोमवार दोपहर महालक्ष्मी गैस एजेंसी में सिलेंडर फटने से आग लग गई। पलभर में आग ने भीषण रूप ले लिया। 3 मिनट में करीब 400 सिलेंडर में धमाके हुए। आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया।

धमाका इतना भीषण था कि फटे सिलेंडरों के टुकड़े 500 मीटर दूर जाकर खेतों में गिरे, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। धमाके की आवाज 3 किमी दूर तक सुनाई दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के घरों को खाली कराया।

फायर ब्रिगेड के साथ पुलिस ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई है। घटना थाना बिथुरी चैनपुर थाना क्षेत्र में रजऊ परसपुर की है। सुरक्षा के लिहाज से भारी पुलिस फोर्स तैनात है। आस-पास के रास्ते भी बंद किए गए हैं।

- ट्रक के केबिन से भड़की आग

दरअसल, रजऊ परसपुर गांव के बाहर महालक्ष्मी गैस एजेंसी है।

सोमवार दोपहर गोदाम पर सिलेंडर से भरा ट्रक खड़ा था। 12:48 बजे अचानक ट्रक के केबिन में आग लग गई। तभी ट्रक में लोड एक सिलेंडर फट गया। इससे आग पूरे ट्रक और गोदाम में फैल गई।

रुक-रुक सिलेंडर में धमाके होने लगे। घटना से गांव रजऊ परसपुर में दहशत फैल गई। लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। गांव से बाहर आकर देखा तो पता चला कि गैस गोदाम में धमाके हो रहे हैं। गांववालों ने इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। बिथुरी चैनपुर थाने के फोर्स मौके पर पहुंची। गोदाम जाने वाले रास्तों को सील कर दिया। घटना के 45 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। 4 बजे गोदाम और ट्रक में लगी आग पर काबू पाया गया। धमाके से दो मंजिला गैस गोदाम जमींदोज हो गया।

आप की सरकार के खिलाफ श्वेतपत्र जारी करेगी भाजपा

नई दिल्ली. दिल्ली में लंबे इंतजार के बाद सत्ता में काबिज भाजपा पिछली आम आदमी पार्टी वाली दिल्ली सरकार के कार्यकाल को लेकर श्वेतपत्र जारी करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बजट सत्र के पहले दिन सदन के अंदर एक सवाल के जवाब में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने यह भी साफ कर दिया है कि इस बार वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट से पहले आर्थिक सर्वेक्षण पेश नहीं किया जाएगा। बजट सत्र के पहले दिन की शुरुआत खीर बनाकर हुई। वहीं, विपक्ष ने हंगामे के बाद सदन से वॉकआउट किया। दरअसल, बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर भाजपा के चीफ व्हिप अभय वर्मा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सवाल किया कि कल (मंगलवार) बजट पेश होना है, ऐसे में आज आर्थिक सर्वे टेबल पर क्यों नहीं रखा जा रहा है।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

आग लगने से सुरक्षा गार्ड की मौत

मुंबई. विद्याविहार इलाके में सोमवार सुबह 13 मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई। हादसे में एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि विद्याविहार स्टेशन के सामने नैथानी रोड पर स्थित तक्षशिला सहकारी आवास सोसायटी में सुबह 4.35 बजे आग लगी।

अधिकारी ने बताया कि 15 से 20 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। दो सुरक्षा गार्ड घायल हो गए और उन्हें राजावाड़ी अस्पताल भेजा गया, जहां उनमें से एक उदय गंगन (43) को मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतक 100 प्रतिशत जल गया था। आग लगने से इमारत की पहली और दूसरी मंजिल पर स्थित पांच फ्लैटों में बिजली के उपकरण, घरेलू सामान, लकड़ी के फर्नीचर, एसी यूनिट और कपड़े जल गए।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के वीडियो पर बवाल, FIR

- जहां शो शूट हुआ, वहां शिवसैनिकों ने तोड़फोड़ की
- अब BMC हथौड़े लेकर पहुंची

मुंबई. स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर सोमवार सुबह मुंबई के खार थाने में FIR दर्ज की गई। इसके बाद बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) की टीम यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में हथौड़ा लेकर पहुंच गई। दरअसल, हुआ ये कि रविवार को कामरा का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे एक कविता पढ़ रहे हैं। इसकी पहली लाइन 'ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय... है।' कुणाल ने इसे फिल्म 'दिल तो पागल है' के गाने की धुन पर गाया।

शिवसेना (शिंदे) के कार्यकर्ताओं ने इस कविता को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर आपत्तिजनक कमेंट माना और रविवार रात को यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में तोड़फोड़ की। दूसरे दिन सोमवार सुबह पुलिस ने तोड़फोड़ के आरोप में शिवसेना नेता राहुल कनाल सहित 11 शिवसैनिकों को गिरफ्तार कर लिया। इस केस में 40 शिवसैनिकों पर FIR हुई थी। हालांकि तीन घंटे के बाद सभी को जमानत मिल गई। शिवसैनिकों का दावा है कि इसी होटल में बने स्टूडियो में वह वीडियो शूट किया गया था। इससे शिवसेना के कार्यकर्ता भड़क गए थे।

शिवसेना का आरोप है कि कामरा की कविता की शुरुआत में ही डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के लुक को बताया गया है। फिर उनके शिवसेना से बगावत कर विधायकों के साथ गुवाहाटी जाने की बात कही गई है। इसके अलावा उनके रिक्शा (ऑटो रिक्शा) चलाने और ठाणे के होने का भी जिक्र है। शिंदे ठाणे के रहने वाले हैं और पहले ऑटो रिक्शा चलाते थे। वहीं, शिंदे को गद्दार, दलबदलू और फडणवीस की गोद में बैठने वाला बताया गया है।

'गद्दार' कमेंट पर नहीं कोई पछतावा...

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने कहा है कि 'गद्दार' या 'देशद्रोही' वाले अपने दिए बयान पर उन्हें कोई पछतावा नहीं है। इसके साथ ही मुंबई पुलिस से कॉमेडियन ने यह भी कहा है कि वह इस मुद्दे पर तभी माफी मांगेंगे, जब कोर्ट उन्हें ऐसा करने को कहेगा। बता दें कि कामरा के कमेंट को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से संदर्भ में देखा जा रहा है और इस मुद्दे पर राज्य में शिवसैनिकों समेत सत्ता पक्ष के लोग हंगामा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी सोमवार को कहा कि 'स्टैंड-अप कॉमेडियन' ने अपनी टिप्पणी से शिंदे का अपमान किया है और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। फडणवीस ने राज्य विधानमंडल परिसर में पत्रकारों से कहा कि कामरा का यह कृत्य निंदनीय है।

कामरा ने संविधान की किताब पोस्ट की, फडणवीस बोले- माफी मांगें

शिवसेना कार्यकर्ताओं की इस तोड़-फोड़ के बाद कुणाल ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, उसमें वे हाथ में संविधान की एक प्रति लिए हुए हैं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है, 'यही एक मात्र रास्ता है।'

विवाद पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'स्टैंड-अप कॉमेडी करने की आजादी है, लेकिन कोई भी जो चाहे वह नहीं बोल सकता। फडणवीस ने कहा- कुणाल कामरा को माफी मांगनी चाहिए, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कॉमेडी करने का अधिकार है, लेकिन अगर यह हमारे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, तो यह सही नहीं है।'

सरकारी अधिकारी सरोदे की समुद्र में डूबने से मौत

ठाणे. जिला कलेक्टर कार्यालय में सहायक राजस्व अधिकारी और ठाणे जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे की निजी सहायक पल्लवी सरोदे (37) की रविवार को हरिहरेश्वर समुद्र तट पर एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। वह अपने ऑफिस के दोस्तों के साथ इस जगह घूमने गई थी। वे अचानक समुद्र तट पर लहरों में बह गई, जिसके परिणामस्वरूप उनकी दुखद मृत्यु हो गई।

पल्लवी 2012 में ठाणे जिला प्रशासन में क्लर्क के पद पर शामिल हुईं। एक साल पहले मार्च में उन्हें सहायक राजस्व अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया था। वह वर्तमान में जिला कलेक्टर की निजी सहायक के रूप में काम कर रही थीं। ठाणे जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बहुत ही सौहार्दपूर्ण संबंध रखने वाली, जो सभी को मुस्कुराते हुए मदद करती थीं, बहुत ही अच्छी स्वभाव वाली, मेहनती, ईमानदार, अपने काम में लगनशील और हमेशा चेहरे पर मुस्कान रखने वाली पल्लवी सरोडे की असामयिक मृत्यु से हर जगह दुख हो रहा है। सरोदे के परिवार में उनके पति, ससुराल वाले और 13 साल का बेटा है।

13 महीनों में 65 लाख वाहन चालकों ने किया यातायात नियमों का उल्लंघन

- 526 करोड़ का ठोंका जुर्माना
- 44 लाख वाहन चालकों ने जुर्माना नहीं भरा
- 369 करोड़ बकाया

मुंबई. मुंबई यातायात पुलिस ने पिछले 13 महीनों (1 जनवरी 2024 से 5 फरवरी 2025) के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 65,12,846 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में 526 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया, लेकिन अब तक सिर्फ 157 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। 369 करोड़ रुपये अभी भी बकाया हैं। यह जानकारी RTI कार्यकर्ता अनिल गलगली को सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त हुई है।

यातायात पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 41 यातायात और 1 मल्टीमीडिया विभाग के अंतर्गत 26 प्रकार के यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। हालांकि, अब तक सिर्फ 20,99,396 वाहन चालकों ने ही जुर्माना भरा है, जबकि 44,13,450 वाहन चालकों ने अब तक दंड नहीं भरा है।

n फ्लिकर और एंबर लाइट पर कार्रवाई

फ्लिकर और एंबर लाइट का गलत उपयोग करने वाले 47 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर 23,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। लेकिन इसमें से केवल 7 वाहन चालकों ने 3,500 रुपये का दंड चुकाया। सबसे अधिक कार्रवाई मरीन ड्राइव क्षेत्र में की गई, जहां 32 वाहनों पर कार्रवाई हुई, लेकिन इनमें से सिर्फ 2 वाहन चालकों ने 1,000 रुपये का दंड अदा किया।

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा, ₹यातायात पुलिस ने संतोषजनक कार्रवाई की है, लेकिन अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी के कारण अधिक प्रभावी ढंग से वसूली नहीं हो पा रही है। जिन वाहन चालकों ने अभी तक जुर्माना नहीं भरा है, उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाने की जरूरत है।₹ अनिल गलगली के अनुसार जुर्माना वसूली के लिए डिजिटल नोटिस भेजे जाएं और बड़े बकायेदार वाहन मालिकों के वाहनों को जब्त करने की प्रक्रिया अपनाई जाए।

पनवेल से बोरीवली-विरार तक सीधी लोकल यात्रा

पनवेल. लोकल ट्रेनों को मुंबईकरों की जीवन रेखा माना जाता है। आप बहुत कम लागत पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक आसानी से यात्रा कर सकते हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन नए रेल मार्ग और रेलवे कॉरिडोर शुरू कर रहा है। अब यात्री लोकल ट्रेन से पनवेल से सीधे बोरीवली या विरार पहुंच सकेंगे। मुंबई रेलवे विकास निगम ने पनवेल-वसई रेलवे परियोजना को एमयूटीपी 3बी में शामिल किया है। पनवेल-वसई लोकल ट्रेन चलने के बाद इसे बोरीवली-विरार तक विस्तारित करना संभव होगा।

यह वसई से बोरीवली और विरार दोनों मार्गों से जुड़ा होगा। पनवेल रेलवे स्टेशन नवी मुंबई हवाई अड्डे से लगभग 10 मिनट की दूरी पर है। लोकल ट्रेनें सीएसएमटी यानी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से पनवेल तक चलती हैं। पनवेल-कर्जत मार्ग पर पटरियों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा, मेट्रो 8 छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और नवी मुंबई हवाई अड्डे के बीच चलेगी। इन तीन विकल्पों के साथ, पनवेल से बोरीवली-विरार मार्ग अब पश्चिम रेलवे के यात्रियों के लिए उपलब्ध होगा।

यदि पनवेल से बोरीवली-विरार तक सीधी लोकल ट्रेन चलाई जाए तो इससे लाखों यात्रियों को फायदा होगा। साथ ही, यात्रियों की यात्रा भी तेज और आरामदायक होगी। पनवेल-दिवा-वसई मार्ग पर लोकल ट्रेनें नहीं चल रही हैं। इस मार्ग पर मेमू रेलगाड़ियां चलती हैं। इसलिए, पनवेल-वसई लोकल ट्रेन शुरू करने की मांग जोर पकड़ रही थी।

रेल नेटवर्क में महत्वपूर्ण मील का पत्थर

पनवेल से कर्जत तक सीधी यात्रा होगी, 47 पुल और 3 सुरंगें होंगी। पनवेल-कर्जत दोहरी रेल लाइन करीब 29 .6 किलोमीटर लंबी है। पनवेल-कर्जत कॉरिडोर मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह परियोजना एक बड़ा परिवर्तन लाने वाली परियोजना साबित होगी। इस परियोजना पर काम मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 3 (एमयूटीपी) के तहत चल रहा है। इस कार्य की अनुमानित लागत 2,782 करोड़ रुपये है।

पवई परिसर में सड़क पर घूमता दिखाई दिया मगरमच्छ

मुंबई. मुंबई में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पवई परिसर में एक चौंकाने वाली घटना हुई, जब एक मगरमच्छ सड़क पर घूमता हुआ दिखाई दिया। यह मगरमच्छ पास के पद्मावती मंदिर झील से भागकर आया था। मगरमच्छ के सड़क पर घूमने का एक खौफनाक वीडियो वायरल हुआ, जिसे देखकर लोग डर गए। यह घटना रविवार रात 7-8 बजे के बीच हुई, जिसके लिए वन विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। नगर निगम के अधिकारियों और वन अधिकारियों ने लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, साथ ही तस्वीरें भी।

भिवंडी राकांपा में नई नियुक्तियां

भिवंडी. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला के अध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने शीर्ष नेतृत्व के आदेश पर पार्टी को मजबूत करने के लिए भिवंडी में राकांपा की मजबूती की खातिर एवं महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजितदादा पवार के हाथ मजबूत करने तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे के आदेशानुसार विविध विभागों (प्रकोष्ठों) की नियुक्तियां की गई हैं।

जिसके अनुसार मोहम्मद याकूब इम्तियाज अहमद शेख को अल्पसंख्यक विभाग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष बनाया गया है. वहीं सुश्री जान्हवी हनुमान भोईर को युवा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिलाअध्यक्ष, नागेश अशोककुमार कुरपति को सांस्कृतिक विभाग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष, प्रकाश ए. वड्डेपेल्ली को दिव्यांग प्रकोष्ठ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष, डॉक्टर सेल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष पद पर संदीप सुदामादेवी संगमलाल सोनी, मेडिकल हेल्प डेस्क राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष पद पर वेंकटेश रत्नाकर गद्दाम, तेजस हरेश्वर सावंत को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला का अध्यक्ष, प्रचार प्रमुख (सोशल मीडिया) बनाया गया है. वहीं धर्मराज केसरवाणी को विद्यार्थी अध्यक्ष भिवंडी शहर जिल्हा नियुक्त किया गया है.

उक्त जानकारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भिवंडी शहर जिला के अध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने दी है.

ठाणे जिला परिषद में शहीद भगतसिंग, सुखदेव व राजगुरू का अभिवादन

ठाणे. जिला परिषद में शहीद भगतसिंग, सुखदेव व राजगुरू के पुण्य तिथि के निमित्त प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया गया।इस अवसर पर पशु विभाग के अधिकारी एस. एस. चवाथे, शिक्षण व महिला बालकल्याण विभाग विस्तार अधिकारी, सुरेश शिंदे सहित जिला परिषद के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

रेमंड ग्राउंड में गणगौर मेला का भव्य आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. रेमंड ग्राउंड में राजस्थानी समाज की ओर से बड़े उत्साह के साथ गणगौर मेला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम को रेमंड रियालटी चैनल पार्टनर तुलसी स्टूडियो के विशेष सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के आयोजक ओमप्रकाश झाझूका ने बताया की मेले की शुरुआत भव्य शोभायात्रा के साथ गई। शोभायात्रा बड़ी संख्या में महिलाओं द्वारा नाचते गाते हुए रेमंड हनुमान मंदिर से रेमंड हिमालय ग्राउंड तक निकाली गई थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में रेमंड निदेशक एस एल पोखरना, रेमंड के सीईओ सन्दीप महेश्वरी, रेमंड रिएलिटी के प्रशांत राठौड, संजीव सरीन, विशाल शर्मा, खोजेश्वर कौशिक व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। रेमंड निदेशक पोखरना ने कहा कि गणगौर यह राजस्थान का विशेष त्यौहार है, जिसे महिलाएं मनाती है, उन्होंने कार्यक्रम के आयोजकों को खूब सराहना की रेमंड के सीईओ सन्दीप महेश्वरी ने राजस्थान समाज का अभिनंदन कर सभी राजस्थानियों को गणगौर की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों के लिए मेहंदी, टैटू, बैंगल्स, नेल आर्ट, सेल्फी पॉइंट, 360 कैमरा व गेम जॉन और खाने पीने के लिए विविध पकवानों का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने नवरात्रि, शिवरात्रि, गणगौर और फूलों की होली पर विशेष नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही कार्यक्रम में विक्रम संवत, रामनवमी, हिरणाकश्यप, तुलसी और शालिग्राम विवाह जैसे विविध प्रसंग प्रस्तुत किया गया।

साई अंजुमन सोसायटी ने किया इफ्तार पार्टी का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. वागले ईस्टेट प्रभाग समिति के अंतर्गत वार्ड 19 में जिलानी वाडी रघुनाथ नगर साई अंजुमन सोसाइटी की ओर से तरफ से इफतार पार्टी का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व नगरसेवक विकास रेपाले,पूर्व नगरसेविका नम्रता भोसले,हाजी इलियास, हाजी लाल मोहम्मद खत्री आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।इस कार्यक्रम की आयोजक हाजी अब्दुल रजाक शेख,रूकू भाई, इजहार भाई, सिराज सिद्दिकी,मुदासिर आदि के अथक प्रयास से यह आयोजन सफल हुआ।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

अंदाज अपना-अपना के सीक्वल का काम शुरू

- आमिर खान बोले- स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है

आमिर खान ने अपने हालिया इंटरव्यू में बताया है कि वो साल 1994 की कल्ट क्लासिक फिल्म अंदाज अपना-अपना के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने शाहरुख और सलमान के साथ फिल्म करने पर भी बात की है। उन्होंने कहा है कि इस बारे में बात हुई है, लेकिन अब तक ऐसी कोई फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं मिल सकी है, जिसमें 3 हीरो फिट बैठें।

आमिर से बॉलीवुड हंगामा के इंटरव्यू में शाहरुख-सलमान के साथ काम करने पर सवाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा है, हमने ऊपरी तौर पर इस बारे में बात की थी। हमें साथ फिल्म करने में बहुत अच्छा लगेगा। ऐसी कोई स्क्रिप्ट आए तो हम जरूर करेंगे, लेकिन वो आना मुश्किल है। क्योंकि तीन हीरो वाली फिल्म मिलना मुश्किल है, जो हम तीनों के लिए एक्साइटिंग हो। शाहरुख के साथ तो आज तक मैंने काम ही नहीं किया है।

बातचीत के दौरान आमिर खान से फिल्म अंदाज अपना-अपना के सीक्वल पर सवाल किया गया था। इस पर एक्टर ने कहा, उसके सीक्वल पर भी काम चल रहा है। लेकिन काम चलने और फिल्म बनने में बहुत फर्क होता है। मैं इतनी आसानी से स्क्रिप्ट सुनकर हां नहीं करता हूं। मुझे लगता है कि सलमान को भी इतना ही फर्क पड़ता होगा। स्क्रिप्ट पर काम हो रहा है, लेकिन अभी इसका मतलब ये नहीं है कि फिल्म बन रही है और कन्फर्म है।

आम सूचना

हम श्री अशोक टिकमदास रोहरा व श्री अनिल टिकमदास रोहरा सभी को सूचित कर रहे हैं कि दुकान नं. 1, तल मजला, महालक्ष्मी मार्केट, बैरक नं. 454, रुम नं. 11 व 12, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 22बीआय016828300) उक्त प्रॉपर्टी श्री जेठानंद गोपालदास चुघ के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 17.1.2025 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अशोक टिकमदास रोहरा व
श्री अनिल टिकमदास रोहरा

आम सूचना

हम श्रीमती हसीना बानो मूबारक अहमद सलमानी व श्री मुबारक अहमद मुनीर अहमद सलमानी सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, एमआयडीसी, पाइप लाइन के पास, तानाजी नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014212000) उक्त प्रॉपर्टी श्री कैलाश नारायण शिंदे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 20.3.2025 सी.नं. 1172/2025 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती हसीना बानो मूबारक अहमद सलमानी
व श्री मुबारक अहमद मुनीर अहमद सलमानी

आम सूचना

मैं श्री. हरेश गोबिंदराम चांदवानी, निवासी-बॅरक नं.182-ए, रूम नं.5, मनोज सोसायटी के पीछे, उल्हासनगर-421001, जि.ठाणे, इस आम सुचना द्वारा आम जनता को सूचित करता हूं कि मैंने अपने बेटे श्री गिरीश हरेश चांदवानी को अपनी पूरी चल-अचल सम्पत्ती से बेदखल कर दिया है और अब मेरे बेटे का मेरी किसी भी सम्पत्ती में कोई भी हक्क, वास्ता, हिस्सा नही है और अगर कोई भी व्यक्ती मेरे बेटे से किसी भी प्रकार का व्यवहार या लेनदेन करता है तो वह उसके लिए खुद जिम्मेदार होगा और मैं या मेरे परिवार का कोई भी सदस्य किये गये किसी भी व्यवहार, पैसों की लेनदेन के लिए किसी भी प्रकार से बाध्य और जिम्मेदार नही रहेंगे।

सही/-
श्री. हरेश गोबिंदराम चांदवानी

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास विकास NEWS LIVE
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
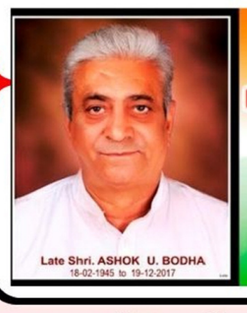
Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099